पहली बार कोआला भालू के जीनोम का अनुक्रमण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में वैज्ञानिकों की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम ने कोआला भालू के पूरे जीनोम को सफलतापूर्वक अनुक्रमित किया है।

प्रमुख बिंदु

- शोधकर्त्ताओं ने कोआला भालू के जीनोम को अनुक्रमित करने के दौरान उसके दुग्ध में एक नोवेल प्रोटीन को पाया।
- ये नोवेल प्रोटीन युवा कोआला भालू को पाउच/थैले में सुरक्षित रखते हैं और मज़बूत प्रतिरक्षा प्रणाली को विकसित करने में भी मदद करता हैं।
- इस प्रोटीन में एंटीमाइक्रोबियल की भूमिका हो सकती है।
- यह प्रोटीन कोआला भालूओं में क्लैमिडिया पेकोरम (Chlamydia pecorum) सहित, बैक्टीरिया तथा फंगल प्रजातियों की एक श्रृंखला के खिलाफ गतिविधि प्रदर्शित करता है।
- क्लैमिडिया पेकोरम, कोआला भालूओं में ओकुलर(नेत्र-संबंधी) और प्रजनन रोग के कारण होने वाला एक विकार है।

कोआला भालू (Koala bear)

- यह पूर्वी ऑस्ट्रेलिया के तटीय क्षेत्रों में वृक्षों पर निवास करने वाला धानी-प्राणी (marsupial)है।
- ये प्रतिरक्षा प्रणाली के बिना ही गर्भावस्था के 34-36 दिनों के बाद जन्म लेते हैं और इसके बाद लगभग छह महीने पाउच/थैले में इनका विकास होता है।
- इसे आईयूसीएन की रेड डेटा बुक के अंतर्गत सुभेद्य(Vulnerable)जाति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- निवास की हानि और आहार की कमी के कारण इनकी जनसंख्या में तेज़ी से कमी आई है।
- इनका मुख्य आहार यूकेलिप्टिस की पत्तियाँ हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/koala-bear-genome-decoded-for-the-first-time